परास्नातक कार्यक्रम

सत्रीय कार्य

(जुलाई, 2022 तथा जनवरी, 2023 सत्रों के लिए)

MSK-001 संस्कृत साहित्य शास्त्र एवं साहित्य

मानविकी विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

परास्नातक कार्यक्रम

सत्रीय कार्य (2022–23)

पाठ्यक्रम कोड : MSK–001/2022–23

प्रिय छात्र/छात्राओं

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश :– सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : ——————————

नाम : ——————————

पता : ——————————

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ——————————

सत्रीय कार्य कोड : ——————————

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : ——————————

दिनांक : ——————————

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।
2. अभ्यास : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए, और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजि,।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2022 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2023

जनवरी 2023 सत्र के लिए : 30 सितंबर, 2023

सत्रीय कार्य

MSK-001 संस्कृत साहित्यशास्त्र एवं साहित्य

पाठ्यक्रम कोड –MSK: 001
पाठयक्रम शीर्षक : संस्कृत साहित्यशास्त्र एवं साहित्य
सत्रीय कार्य : MSK – 001/2022–2023
कुल अंक – 100

नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : –

खण्ड–क

1. अधोलिखित प्रश्नों में से किसी एक की विस्तृत व्याख्या कीजिए :– 20

(क) मख्यार्थबाधे तद्यक्तो ययान्योऽर्थः अर्थः प्रतीयते।

रूढेः प्रयोजनाद्वासौ लक्षणा शक्तिरर्पिता।।

'कलिंग साहसिक :' इत्यादौ कलिङगादिशब्दो देशविशेषादि रूपे स्वार्थेऽसंभवन यथा शब्दशक्या स्वसंयक्तान परुषादीन प्रत्याययति, यया च गङगायां घोषः इत्यादौ गङगादिशब्दो जल मयादिं रूपार्थवाच कत्वात प्रकतेऽसंभवन स्वस्य सामीप्यादि संबन्ध संवन्धिनं तटादिं बोधयति, सा शब्दस्यार्पिता स्वाभाविकेतरा ईश्वरानद भाविता वा शक्तिर्लक्षणा नाम। पर्वत्र हेत रूढ़िः प्रसिद्धिरेव। उत्तरत्र 'गङगातरे घोषः' इति प्रतिपादनालभ्यस्य शीतत्वपावनत्वातिशयस्य बोधनरूपं प्रयोजनं। हेत विनापि यस्य कस्यचित सम्बन्धिनो लखणे इति प्रसंगः स्यात, इत्यक्तम रूढ़िः प्रयोजनादौ।।

अथवा

अस्य ग्रन्थस्य काव्यफलैरेव फलवत्त्वमिति काव्यफला–

न्याह चतर्वर्ग फलप्राप्तिः सखादल्पधियामपि।

काव्यदेव यतस्तेन तत्स्वरूपं निरूप्ये।।

चतर्वर्गफलप्राप्तिर्हि काव्यतो "रामादिवत्प्रवर्तितव्यं न रावणादिवत" इत्यादि कत्याकत्य प्रवत्तिनिवत्यपदेश द्वारेण सप्ततीतैव। उक्तं च (भामहेन)–

धर्मार्थकाममोक्षेष वैचक्षण्यं कलास च।

करोति कीर्ति प्रीतिं च साधकाव्यनिबन्धनम।।

2. अधोलिखित भलोकों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– **2X10= 20**

(क) कश्चित्कान्ताविरहगरुणा स्वाधिकारात्प्रमत्तः

शापेनास्तङगमित महिमा वर्षभोग्येण भर्तुः।

यक्षश्चक्रे जनकतनयास्नानपण्योदकेषु
स्निग्धच्छाया तरुष वसरिामगिर्याश्रमेष।।

(ख) तां चावश्यं दिवसगणनातत्परामेक पत्नी–
मव्यापन्नामविहतगतिर्द्रक्ष्यसि भ्रातणायाम।
आशाबन्धः कसमसदशं प्रायशो ह्यङ्गनानां,
सद्यः पाति प्रणयि हृदयं विप्रयोगे रुणद्धि।।

(ग) तन्वी श्यामा शिखरिदशना पक्वबिम्बाधरोष्ठी
मध्ये क्षामा चकित हरिणी प्रेक्षणा निम्ननाभिः।
श्रोणी भारा दलसगमना स्तोकनम्रास्तनाभ्यां,
या तत्र स्याद्यवति विषये सष्टिराधैव धातः।।

(घ) हस्ते लीला कमलमलके बालकन्दानविद्धं
नीता लोध्र प्रसव रजसा पाण्डतामानने श्रीः।
चडापाशे नवकरबंक चारु कर्णे शिरीषं
सीमन्ते च त्वदपगमनं यत्र नीपं वधनाम।।

3. अधोलिखित में से किन्हीं दो का हिंदी भाशा में अनुवाद कीजिए– 2X10= 20

(क) एतत्त मां दहति यद गह्यस्मदीय,
क्षीणार्थमित्यतिथयः परिवर्जयन्ति।
संशष्क सान्द्रमलेखमिदं भ्रमन्तः
कालात्यये मधकराः करिणः कपोलम।।

(ख) दीनानां कल्पवक्षः स्वगण फलनतः सज्जनानां कटंबी
आदर्शः शिक्षितानां सचरितनिकषः शीलवेला समद्रा।
सत्कर्ता नावमन्ता परुषगणनिधिर्दक्षिणोदारसत्वो,
ह्येकः श्लाघ्यः स जीवत्यधिक गणतया चोच्छवसन्तीव चान्ये।।

(ग) कामं नीचमिदं वदन्त परुषाः स्वप्ने च यद्वर्धते,
विश्वस्तेष च वंचनापरिभवश्चौर्य न शैर्यं हि यत।
स्वाधीना वचनीयतापि हि वरं बद्धो न संवांजलि–
मार्गाह्येष नरेन्द्रसौप्तिकवधे पर्वं कतो द्वोणिना।।

(घ) वेगं करोति तरगस्त्वरितं प्रयातं।

प्राण व्ययान्न चरणास्त तथा वहन्ति।

सर्वत्र यान्ति परुषस्य चलाः स्वभावाः

खिन्नास्ततो हृदयमेव पनर्विशन्ति।।

खण्ड–(ख)

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए । 2X10= 20

2. 'उपमा कालिदासस्य' इस सक्ति की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

3. संस्कृत गद्यकाव्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

4. आचार्य विश्वनाथ के काव्यलक्षण की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

5. नायक का लक्षण लिखते हुए उसके भेदों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

6. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए–** 2X5= 10

(क) रामायण चम्प

(ख) नान्दी

(ग) आकाश भाषित

(घ) रूपक

7. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो का चरित्र–चित्रण कीजिए–** 2X5= 10

(क) यक्ष (ख) वासवदत्ता

(ग) चारुदत्त (घ) यक्षिणी